E Learning Study Material
By Prof YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA
VKS UNIVERSITY ARA BIHAR
BA PART THIRD ECONOMICS HONS
PAPER SIX

Era of Moderate Protective Tariff in America

सामान्य संरक्षण प्रशुल्क काल

1815 ई० की मन्दी में

भूमि कृषि पदार्थों के मूल्य में अत्यधिक ह्रास के परिणामस्वरूप भी संरक्षण नीति में सरकार को अभिरुचि लेने के लिए बाध्य होना पड़ा। इसलिए 1816 ई० में एक दूसरा प्रशुल्क अधिनियम पारित हुआ।

सन 1815-18 की विस्फीति के

काल एवं कृषि वस्तुओं के मूल्य में इस महान कमी ने संरक्षण नीति में सरकार की सक्रिय अभिरुचि उत्पन्न कर दी। क्योंकि यह भय था कि ग्रेट ब्रिटेन के साथ अमेरिका के द्वितीय स्वतंत्रता युद्ध (सन 1812) का अन्त हो जाने से यूरोपीय वस्तुओं को अमेरिका ले जाने की जो छूट मिल गयी उससे संभव है कि यूरोपीय वस्तुएं सस्ते मूल्य पर अमेरिका में बेची जाय और अमेरिका के शिशु उद्योगों की मृत्यु हो जाय। युद्ध से प्रभावित

होकर अमेरिकी सम्प्रदाय के सभी वर्गों ने मिलकर सन 1816 की प्रशुल्क नीति का समर्थन किया। इसप्रकार सन 1816 में वास्तविक संरक्षण शुल्क ~~आरम्भ~~ आरोपित किये गये। यह संरक्षण नीति इंगलैण्ड तथा अन्य यूरोपीय राष्ट्रों द्वारा आर्थिक रूप से अमेरिका पर आधिपत्य जमा लेने के ~~भय~~ भय का परिणाम था। इसने सूती, ऊनी, लोहा एवं ऐसे अन्य निर्मित वस्तुओं को विशेष संरक्षण दिया और उन उद्योगों को प्रोत्साहित हुए थे।

सन 1816 से लेकर 1833 तक संरक्षण के लिए आन्दोलन की शक्ति बढ़ती ही गयी। सन 1833 के समझौता प्रशुल्क अधिनियम (Compromise Tariff Act) द्वारा प्रशुल्क योजना में परिवर्तन किये गये। इस वर्ष दोनों पक्ष हेनरी क्ले (Henry Clay) द्वारा प्रस्तावित समझौता प्रशुल्क ~~से~~ (Compromise Tariff) से सहमत हुए। इसका परिणाम जैक्सन (Jackson) के नेतृत्व में राष्ट्रवादियों की विजय था किन्तु दक्षिण के पक्ष में प्रशुल्क की दर में कमी था। इस समझौता प्रशुल्क के अनुसार यह निश्चय किया गया कि प्रशुल्क की दर 20 प्रतिशत होनी चाहिए और सभी उच्चतर शुल्कों को 9 वर्षों की अवधि में कम कर दिया ~~जाना~~ जाना चाहिए। पर सन 1837 के संकट ने राष्ट्रीय सरकार की आय को इतना कम कर दिया कि संरक्षणवादी ~~के~~ नेता प्रशुल्क को सन 1842 में लगभग 1830 के स्तर पर पुनः ला सकने में सफल हो गये।